



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 162]
No. 162]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 14, 1981/चैत्र 24, 1903
NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 14, 1981/CHAITRA 24, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 अप्रैल, 1981

का० मा० 300(अ)—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनिमय) अधिनियम, 1951 (1951 का 1985) की धारा 30 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, औद्योगिक उपक्रमों का रजिस्ट्रीकरण और अनुज्ञापन नियम, 1952 में कतिपय और संशोधन करना चाहती है जैसा कि उक्त अधिनियम की धारा 30 की उपधारा (1) में अवक्षिप्त है, प्रस्तावित संशोधनों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है। सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 60 दिन की अवधि की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

2. इस प्रकार विमिश्रित तारीख से पूर्व नियमों के उक्त प्रावप की बाबत जो भी आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

प्रावप नियम

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम औद्योगिक उपक्रमों का रजिस्ट्रीकरण और अनुज्ञापन (संशोधन) नियम, 1981 है।

2. औद्योगिक उपक्रमों का रजिस्ट्रीकरण और अनुज्ञापन नियम, 1952 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 3 में,—

“(1) किसी विद्यमान औद्योगिक उपक्रम के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास

विभाग) नई दिल्ली को उस औद्योगिक उपक्रम के संबंध में, अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1) के अधीन नियत अवधि की समाप्ति के कम से कम तीन मास पूर्व, ऐसे प्रावपों में और उतनी प्रतियों सहित, जो उक्त मंत्रालय द्वारा विनि-विष्ट की/किया जाएगा :

परन्तु कोई आवेदन जो समय के भीतर नहीं किया गया है, उक्त मंत्रालय द्वारा ग्रहण किया जा सकता है यदि आवेदक उक्त मंत्रालय का यह समाधान करा देता है कि समय के भीतर आवेदन न कर पाने के पर्याप्त कारण थे।”;

(ii) उपनियम (1ख) का लोप किया जाएगा;

(iii) उपनियम (2) के स्थान पर, निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(2) प्रत्येक आवेदन के साथ वेतन और लेखा अधिकारी, उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के पक्ष में, भारतीय स्टेट बैंक निमाण भवन, नई दिल्ली पर लिखा गया 500/- रु० का त्रय मांग देय ड्राफ्ट होगा।”

3. उक्त नियम के नियम 7 में, उपनियम (3) के स्थान पर, निम्न-लिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(3) प्रत्येक आवेदन के साथ वेतन और लेखा अधिकारी, उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के पक्ष में, भारतीय स्टेट बैंक, निमाण भवन, नई दिल्ली पर लिखा गया 500/- रु० का त्रय मांग देय ड्राफ्ट होगा।”

4. उक्त नियम के नियम 19 ख के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“19 ख रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र या अनुज्ञप्ति का खी जाना :—

जहाँ इन नियमों के अधीन अनुदत्त रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र, अनुज्ञप्ति, या अनुज्ञा खी जाती है, सष्ट हो जाती है, या विरूपित हो जाती है, वहाँ उसकी दूसरी प्रति वेतन और लेखा अधिकारी, उद्योग मंत्रालय, (औद्योगिक विकास विभाग) नई दिल्ली के पक्ष में भारतीय स्टेट बैंक, निर्माण भवन, नई दिल्ली पर लिखा गया 25/- रु० का फास माग देय ड्राफ्ट प्राप्त होने पर अनुदत्त की जा सकती है।”

5. उक्त नियम से संलग्न प्रारूप ‘क’ और प्रारूप ‘ख’ का लोप किया जाएगा।

6. उक्त नियम से संलग्न प्रारूप ‘ग’ में मद 4 के पदार्थ निम्नलिखित संयोजित जाएगा अर्थात् :—

“औद्योगिक उपक्रम तहसील जिला राज्य”
का अवस्थान

[फाइल सं० 12/5/80-एल पी]

बी० राय, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 14th April, 1981.

NOTIFICATION

SO. 300(E).—The following draft of certain rules further to amend the Registration and Licensing of Industrial Undertakings Rules, 1952, which the Central Government propose to make in exercise of the powers conferred by section 30 of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), is hereby published as required by sub-section (1) of section 30 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of 60 days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person in respect of the said draft before the date so specified, will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Registration and Licensing of Industrial Undertakings (Amendment) Rules, 1981.

2. In rule 3 of the Registration and Licensing of Industrial Undertakings Rules, 1952 (hereinafter referred to as the said rules),—

(i) for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(1) An application for the registration of an existing industrial undertaking shall be made to the Ministry of Industry (Department of Industrial Development), Government of India, New Delhi, at least three months before the expiry of the period fixed under sub-section (1) of section 10 of the Act in relation to that undertaking in such forms and with such number of copies thereof as may be specified by the said Ministry :

Provided that an application which is not made in time may be entertained by the said Ministry, if the applicant satisfies that Ministry that there was sufficient cause for not making the application in time.”;

(ii) sub-rule (1B) shall be omitted ;

(iii) for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(2) Each application shall be accompanied by a crossed demand draft for Rs. 500 drawn on the State Bank of India, Nirman Bhavan, New Delhi, in favour of the Pay and Accounts Officer, Ministry of Industry (Department of Industrial Development), New Delhi.”

3. In rule 7 of the said rules, for sub-rule (3), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(3) Each application shall be accompanied by a crossed demand draft for Rs. 500 drawn on the State Bank of India, Nirman Bhavan, New Delhi, in favour of the Pay and Accounts Officer, Ministry of Industry (Department of Industrial Development), New Delhi”.

4. For rule 19B of the said rules, the following rule shall be substituted, namely :—

“19B. Loss of Registration Certificate or Licence.—

Where a registration certificate, a licence or a permission granted under these rules is lost, destroyed or mutilated, a duplicate copy may be granted on receipt of crossed demand draft for Rs. 25 drawn on the State Bank of India, Nirman Bhavan, New Delhi, in favour of the Pay and Accounts Officer, Ministry of Industry (Department of Industrial Development), New Delhi”.

5. Form ‘A’ and Form ‘B’ appended to the said rules shall be omitted.

6. In form ‘C’ appended to the said rules, after item 4, the following item shall be added, namely :—

“Location of Undertaking Tehsil District State”.

[File No. 12/5/80-LP]

B. ROY, Jt. Secy.